शिखर 1

पाठ 8 अमरूद बन गए आम

कविता का उद्देश्य

प्रस्तुत कविता का उद्देश्य बच्चों की कल्पना शक्ति बढ़ाना एवं तरह-तरह की चीज़ों के बारे में जानने की जिज्ञासा प्रवृत्ति को बढ़ावा देना है।

कविता का सारांश

बालक सपना देखता है कि वह आज मेला देखने गया था। मेले में उसने देखा कि आमों के अमरूद और अमरूदों के केले बन गए। बकरी हाथी की बोली बोल रही थी। परसों छत पर बंदर नहीं बिल्ली खों-खों-खों बोल रही थी। मुरगे को म्याऊँ करते देख मुझे अचरज हुआ। वह चूहे से डरकर हाथ जोड़कर बैठा था। परंतु मैं तब घबरा गया जब देखा कि रात में सूरज उगा और चाँद दिन में दिखाई दिया। घबराकर मैंने अपनी आँखें मूँद लीं कि तभी रेखा ने आकर मुझे उठा दिया। सपना बड़ा ही अजीब-सा था। सपनों के संसार में सब कुछ निराला ही होता है।

अध्यापन संकेत

कविता वाचन से पूर्व बच्चों से सपनों के बारे में चर्चा करें। उनसे पूछें कि क्या उन्हें सपने आते हैं? क्या उन्हें सपने याद रहते हैं?, उन्हें सपनों की दुनिया कैसी लगती है?

- बच्चों को कविता में आए तुक मिलाते शब्दों के बारे में बताएँ, जैसे-केले-मेले, बोली-गोली आदि।
- बच्चों से पूछें कि उन्हें किससे डर लगता है?
- उनसे पूछें कि वे चाँद को कब देखते हैं?
- कठिन शब्दों के अर्थ समझाएँ।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।